

NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

स्वस्थ कार्यस्थल: कर्मचारी कल्याण
और उत्पादकता की कुंजी

www.nextias.com

स्वस्थ कार्यस्थल: कर्मचारी कल्याण और उत्पादकता की कुंजी

सन्दर्भ

- हाल के वर्षों में, कई देशों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरी है: युवा पेशेवरों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति, जिसे प्रायः कार्यस्थल पर अत्यधिक तनाव और दबाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, ने एक बार फिर कार्यस्थल पर सुरक्षा और तनाव का प्रश्न उठा दिया है।

स्वस्थ कार्यस्थल के बारे में

- यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ नियोक्ता और कर्मचारी लोगों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण तथा कार्यस्थल की स्थिरता की निरंतर रक्षा एवं संवर्धन के लिए सहयोग करते हैं।
- यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में नहीं है, बल्कि इसमें मनोवैज्ञानिक सुरक्षा, खुला संचार और एक सहायक वातावरण भी शामिल है।
- कार्यस्थल पर तनाव और इसके गंभीर परिणामों, जिसमें बर्नआउट, चिंता, अवसाद और यहाँ तक कि आत्महत्या भी शामिल है, में वृद्धि के साथ यह तेजी से स्पष्ट हो गया है।
- आज की तेज-तर्रार और प्रतिस्पर्धी विश्व में, लाभ और उत्पादकता के लिए अथक प्रयास प्रायः मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत कल्याण पर प्रभाव डालते हैं।

वर्तमान संकट

- जापान में शुरू हुई 'करोशी' या अत्यधिक कार्य से मौत की घटना ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।
 - 2023 में जापान में 2,900 लोगों ने अत्यधिक कार्य के कारण अपनी जान ले ली।
- भारत में भी स्थिति उतनी ही भयावह है, जहाँ बड़ी संख्या में पेशेवर अत्यधिक कार्य की मांग के कारण अत्यधिक तनाव का सामना कर रहे हैं।
- भारत में किए गए लिंकडइन सर्वेक्षण में पाया गया कि 40% कर्मचारी कार्य पर उच्च स्तर के तनाव का अनुभव कर रहे थे, जिससे भारत के उद्योग जगत को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल मिला।
- टीम की गतिशीलता पर एक अध्ययन, गूगल के प्रोजेक्ट अरस्तू ने पाया कि मनोवैज्ञानिक सुरक्षा उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों में योगदान देने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक था।

स्वस्थ कार्यस्थलों के नैतिक दृष्टिकोण

- स्वस्थ कार्यस्थल बनाना न केवल उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण को बढ़ाने का मामला है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है।
- कार्यस्थल स्वास्थ्य में नैतिक विचारों में निष्पक्षता, सम्मान और नियोक्ताओं की नैतिक जिम्मेदारी शामिल है कि वे सुरक्षित तथा सहायक वातावरण प्रदान करें।
- निष्पक्षता और समानता:** इसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि सभी कर्मचारियों को संसाधनों, अवसरों और सहायता प्रणालियों तक समान पहुँच मिले। भेदभाव या पक्षपात कार्यस्थल की नैतिक नींव को कमजोर करता है और कर्मचारियों के बीच महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक तनाव उत्पन्न कर सकता है।

- नैतिक कार्यस्थल पूर्वाग्रहों को खत्म करने और समावेशिता को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक कर्मचारी मूल्यवान और सम्मानित महसूस करे।
- **व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान:** इसका अर्थ है उनके योगदान को स्वीकार करना, रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना और ऐसा वातावरण बनाना जहाँ वे उपहास या प्रतिशोध के भय के बिना अपने योजना और विचार व्यक्त कर सकें।
 - यहाँ मनोवैज्ञानिक सुरक्षा आवश्यक है जो एक ऐसे कार्य वातावरण को संदर्भित करती है जहाँ व्यक्ति जोखिम लेने और विचारों को साझा करने में सहज महसूस करते हैं। यह नवाचार और उच्च प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण है।
 - इसमें ग्रीथ माइंडसेट, संचार और विश्वास, रचनात्मक प्रतिक्रिया, भेद्यता और प्रामाणिकता आदि शामिल हैं।
- **नियोक्ताओं की नैतिक जिम्मेदारी:** इसमें सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना, कार्यस्थल के खतरों को संबोधित करना और मानसिक स्वास्थ्य पहलों को बढ़ावा देना शामिल है।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही:** नियोक्ताओं को अपनी नीतियों और प्रथाओं के बारे में खुला होना चाहिए, और कर्मचारियों को यह विश्वास होना चाहिए कि उनकी चिंताओं को निष्पक्ष और तुरंत संबोधित किया जाएगा।
 - यह विश्वास बनाता है और आपसी सम्मान एवं जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देता है।
- **कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना:** अधिक कार्य करने वाले कर्मचारी बर्नआउट, उत्पादकता में कमी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।
 - नैतिक नियोक्ता कर्मचारियों को अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की अनुमति देने के महत्व को पहचानते हैं, जो दीर्घकालिक कल्याण और रोजगार की संतुष्टि के लिए महत्वपूर्ण है।
- **कार्य-जीवन संतुलन के लिए वैश्विक मिसालें:** ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस में 'डिस्कनेक्ट करने का अधिकार' के रूप में जाना जाने वाला एक विनियमन है जो कर्मचारियों को घंटों के बाद अपने नियोक्ताओं से संचार की अनदेखी करने की अनुमति देता है।

निष्कर्ष और आगे की राह

- स्वस्थ कार्यस्थलों के नैतिक दृष्टिकोण केवल नियमों के अनुपालन से कहीं आगे जाते हैं। इनमें निष्पक्षता, सम्मान और कर्मचारियों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता शामिल है।
- स्वस्थ कार्यस्थल बनाने के लिए नियोक्ता और कर्मचारियों दोनों की ओर से एक साथ प्रयास की आवश्यकता होती है।
- नियोक्ताओं को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा, खुले संचार और विश्वास का वातावरण बनाना चाहिए, जबकि कर्मचारियों को इस संस्कृति को बनाए रखने में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।
- इन नैतिक सिद्धांतों को प्राथमिकता देने वाले वातावरण को बढ़ावा देकर, नियोक्ता ऐसे कार्यस्थल बना सकते हैं जो न केवल उत्पादक हों बल्कि सहायक और मानवीय भी हों।
- एक साथ कार्य करके, संगठन ऐसे कार्यस्थल बना सकते हैं जो न केवल कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ाते हैं बल्कि उत्पादकता और नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं।

Source: BL

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. एक स्वस्थ कार्यस्थल संस्कृति कर्मचारियों की समग्र कल्याण तथा उत्पादकता में कैसे योगदान देती है, और ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने के लिए संगठन कौन सी विशिष्ट रणनीतियां लागू कर सकते हैं?

